

अध्याय 4: कार्बन और इसके यौगिक

4.1 कार्बन की संरचना

सहसंयोजक बंधन

- परिभाषा: कार्बन स्थिर अष्टक प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रॉनों को साझा करके **सहसंयोजक बंध** बनाता है।
- मुख्य बिंदु:
 - कार्बन के पास **4 संयोजी इलेक्ट्रॉन** होते हैं और इसके अष्टक को पूरा करने के लिए **4 और** की आवश्यकता होती है।
 - यह उच्च आयनन ऊर्जा और कम विद्युत ऋणात्मकता के कारण आयनिक बंध नहीं बना सकता है।
 - सहसंयोजक बंध के परिणामस्वरूप **आणविक यौगिक** बनते हैं (जैसे मीथेन, CO_2)।

श्रृंखलन

- परिभाषा: कार्बन की स्वयं के साथ बंध बनाकर **लंबी श्रृंखलाएँ** (श्रृंखला, शाखाएँ, वलय) बनाने की क्षमता।
- महत्त्व:
 - श्रृंखलन से **लाखों कार्बनिक यौगिकों** का निर्माण होता है।
 - उदाहरण: **एल्केन्स** (जैसे CH_4), **बहुलक** (जैसे पॉलीथीन)।

संकरण

- परिभाषा: नए संकरित कक्षक बनाने के लिए परमाणु कक्षकों का मिश्रण।
- प्रकार:
 - sp^3 संकरण:** एकल बंध बनाता है (जैसे मीथेन: CH_4)।
 - sp^2 संकरण:** द्विबंध बनाता है (जैसे एथीन: C_2H_4)।
 - sp संकरण:** त्रिबंध बनाता है (जैसे एथाइन: C_2H_2)।
- परीक्षा टिप: संतृप्त हाइड्रोकार्बन के लिए **sp^3** और असंतृप्त हाइड्रोकार्बन के लिए **sp^2/sp** पर ध्यान दें।

4.2 समजातीय श्रेणी

हाइड्रोकार्बनों का वर्गीकरण

प्रकार	सामान्य सूत्र	बंध प्रकार	संरचना उदाहरण
एल्केन्स	$\text{C}_n\text{H}_{2n+2}$	एकल बंध	मीथेन (CH_4)
एल्कीन्स	C_nH_{2n}	द्विबंध	एथीन (C_2H_4)
एल्काइन्स	$\text{C}_n\text{H}_{2n-2}$	त्रिबंध	एथाइन (C_2H_2)

मुख्य अंतर

- भौतिक गुण:
 - एल्केन्स: **गैसीय** (जैसे मीथेन), **द्रव** (जैसे पेंटेन), **ठोस** (जैसे उच्च एल्केन्स)।
 - एल्कीन्स/एल्काइन्स: असंतृप्ति के कारण **कम स्थिर**; एल्केन्स की तुलना में **कठनांक कम**।
- रासायनिक गुण:
 - एल्केन्स: **संतृप्त** (केवल एकल बंध), **प्रतिस्थापन अभिक्रियाओं** से गुजरते हैं।
 - एल्कीन्स/एल्काइन्स: **असंतृप्त** (द्विबंध/त्रिबंध), **योगात्मक अभिक्रियाओं** से गुजरते हैं।

परीक्षा टिप: प्रत्येक वर्ग के लिए सामान्य सूत्र और बंध प्रकार याद रखें।

4.3 क्रियात्मक समूह

परिभाषा

- **क्रियात्मक समूह** अणु के भीतर परमाणुओं का एक विशिष्ट समूह होता है जो इसके **रासायनिक गुणों** को निर्धारित करता है।

सामान्य क्रियात्मक समूह

क्रियात्मक समूह	उदाहरण यौगिक	संरचना	मुख्य गुण
-OH	अल्कोहल (जैसे एथेनॉल)	-OH	जलरागी
-COOH	कार्बोक्सिलिक अम्ल (जैसे एथेनोइक अम्ल)	-COOH	अम्लीय
-CHO	एल्डिहाइड (जैसे फॉर्मैल्डिहाइड)	-CHO	कार्बोक्सिलिक अम्ल में ऑक्सीकृत होता है
-COO ⁻	एस्टर (जैसे एथिल एथेनोएट)	-COO ⁻	सुगंधित, इत्र में प्रयुक्त
-NH ₂	एमीन (जैसे मेथिलएमीन)	-NH ₂	क्षारीय
-C≡N	नाइट्राइल (जैसे एथेननाइट्राइल)	-C≡N	प्रतिक्रियाशील, प्लास्टिक में प्रयुक्त

परीक्षा टिप: रासायनिक सूत्रों से क्रियात्मक समूहों की पहचान करें (जैसे अल्कोहल में -OH)।

4.4 नामपद्धति

IUPAC नियम

1. **सबसे लंबी श्रृंखला:** सबसे लंबी कार्बन श्रृंखला की पहचान करें।
2. **न्यूनतम संख्या:** क्रियात्मक समूह को **न्यूनतम संख्या** देने के लिए श्रृंखला को संख्यांकित करें।
3. **प्रत्यय:**
4. एल्केन्स के लिए **-ane** (जैसे ईथेन),
5. एल्कीन्स के लिए **-ene** (जैसे एथीन),
6. एल्काइन्स के लिए **-yne** (जैसे एथाइन)।
7. **उपस्थितियाँ:** शाखाओं के लिए **उपसर्गों** का प्रयोग करें (जैसे **मेथिल**, **एथिल**)।

उदाहरण

- $\text{CH}_3\text{CH}_2\text{OH}$: एथेनॉल (IUPAC: **एथेनॉल**)।
- CH_3COOH : एथेनोइक अम्ल (IUPAC: **एथेनोइक अम्ल**)।
- $\text{CH}_3\text{CH}_2\text{CH}_2\text{OH}$: प्रोपेनॉल (IUPAC: **प्रोपेन-1-ऑल**)।

परीक्षा टिप: शाखित श्रृंखलाओं के नामकरण का अभ्यास करें (जैसे 2-मेथिलप्रोपेन)।

4.5 महत्वपूर्ण यौगिक

1. ईथेन (C_2H_6)

- **संरचना:** एकल बंध से जुड़े दो कार्बन परमाणु।
- **भौतिक गुण:** कमरे के तापमान पर गैस, गंधहीन, ज्वलनशील।
- **अभिक्रियाएँ:**
- **दहन:** $\text{C}_2\text{H}_6 + 7\text{O}_2 \rightarrow 4\text{CO}_2 + 6\text{H}_2\text{O}$
- **प्रतिस्थापन:** सूर्य के प्रकाश में Cl_2 के साथ अभिक्रिया करके क्लोरोईथेन बनाता है।

2. एथेनॉल (C_2H_5OH)

- **संरचना:** एथिल श्रृंखला से जुड़ा -OH समूह।
- **भौतिक गुण:** द्रव, ध्रुवीय, जल में घुलनशील।
- **उपयोग:**
 - पेय पदार्थ (मादक पेय),
 - विलायक (जैसे इत्र में)।
- **अभिक्रियाएँ:**
 - **ऑक्सीकरण:** एथेनॉल \rightarrow एथेनोइक अम्ल (एसिटिक अम्ल के माध्यम से)।
 - **दहन:** $C_2H_5OH + 3O_2 \rightarrow 2CO_2 + 3H_2O$

3. एथेनोइक अम्ल (CH_3COOH)

- **संरचना:** कार्बोक्सिल समूह (-COOH)।
- **भौतिक गुण:** द्रव, खट्टी गंध, जल में घुलनशील।
- **उपयोग:**
 - सिरका (5–8% विलयन),
 - भोजन में परिरक्षक।
- **अभिक्रियाएँ:**
 - **एस्टरीकरण:** एथेनॉल के साथ अभिक्रिया करके **एथिल एथेनोएट** (सुगंध) बनाता है।
 - **उदासीनीकरण:** NaOH के साथ अभिक्रिया करके सोडियम एथेनोएट बनाता है।

परीक्षा टिप: अभिक्रियाओं (जैसे एस्टरीकरण, दहन) और भौतिक गुणों पर ध्यान दें।

परीक्षा टिप्स

- **क्रियात्मक समूह** रासायनिक व्यवहार निर्धारित करते हैं (जैसे अल्कोहल के लिए -OH)।
- **समजातीय श्रेणी** भौतिक गुणों में रुझान दिखाती है (जैसे क्वथनांक)।
- **IUPAC नामपद्धति** यौगिकों के नामकरण के लिए आवश्यक है (जैसे एथेनोइक अम्ल बनाम एसिटिक अम्ल)।
- **संरचनाएँ बनाने** का अभ्यास करें (जैसे ईथेन, एथेनॉल) और क्रियात्मक समूहों को लेबल करें।

नोट: सभी सामग्री एनसीईआरटी कक्षा 10 पाठ्यक्रम और सीबीएसई दिशानिर्देशों के साथ सख्ती से अनुरूप है।

{

निम्नलिखित में से कौन सही तरीके से समझाता है कि कार्बन आयनिक बांड क्यों नहीं बना सकता है?

1. ☒ उच्च आयनन ऊर्जा और कम विद्युत ऋणात्मकता
2. ☐ उच्च विद्युत ऋणात्मकता और कम आयनन ऊर्जा
3. ☐ कार्बन के पास केवल 2 संयोजी इलेक्ट्रॉन होते हैं
4. ☐ कार्बन केवल द्विबंध बनाता है

कार्बन यौगिकों में त्रिबंध किस संकरण से जुड़ा होता है?

1. ☐ sp^3
2. ☐ sp^2
3. ☒ sp
4. ☐ sp^4

एल्कीनों का सामान्य सूत्र क्या है?

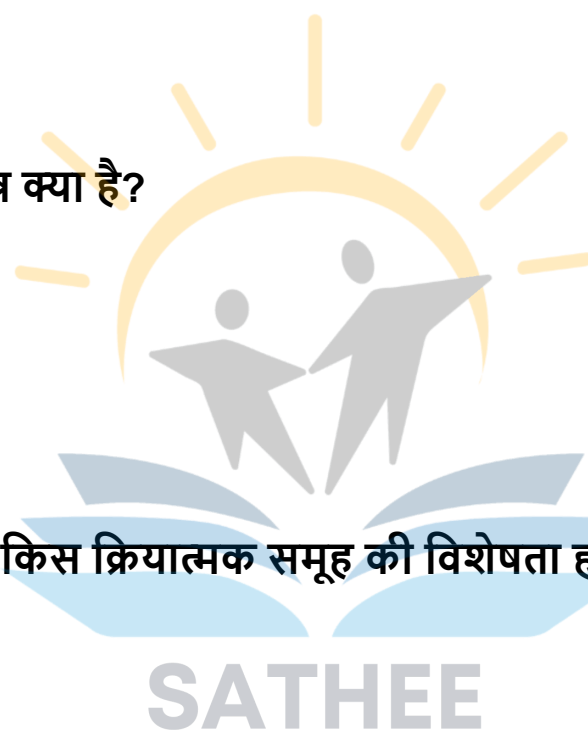
1. ☐ C_nH_{2n+2}
2. ☒ C_nH_{2n}
3. ☐ C_nH_{2n-2}
4. ☐ C_nH_n

कार्बोक्सिलिक अम्लों में किस क्रियात्मक समूह की विशेषता होती है?

1. ☐ $-OH$
2. ☐ $-COO^-$
3. ☒ $-COOH$
4. ☐ $-CHO$

CH_3CH_2OH का सही IUPAC नाम कौन सा है?

1. ☐ एथिल अल्कोहल
2. ☒ एथेनॉल
3. ☐ मेथेनॉल
4. ☐ प्रोपेनॉल



एल्केनों के लिए कौन सी अभिक्रिया विशिष्ट है?

1. ☒ प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं
2. ☐ योगात्मक अभिक्रियाएं
3. ☐ निष्कासन अभिक्रियाएं
4. ☐ बहुलकीकरण अभिक्रियाएं

कार्बन यौगिकों की विशाल संख्या का प्राथमिक कारण क्या है?

1. ☐ उच्च विद्युत ऋणात्मकता
2. ☐ आयनिक बांड बनाने की क्षमता
3. ☒ श्रृंखलन
4. ☐ कम आयनन ऊर्जा

खाद्य परिरक्षक के रूप में किस यौगिक का उपयोग किया जाता है?

1. ☐ एथेन
2. ☐ एथेनॉल
3. ☒ एथेनोइक अम्ल
4. ☐ एथिल एथेनोएट

एस्टरों में कौन सा क्रियात्मक समूह उपस्थित होता है?

1. ☐ -OH
2. ☐ -COOH
3. ☒ -COO⁻
4. ☐ -NH₂

एथिल एथेनोएट का उत्पादन किस अभिक्रिया से होता है?

1. ☐ एथेनॉल का दहन
2. ☐ एथेनोइक अम्ल का उदासीनीकरण
3. ☒ एथेनॉल और एथेनोइक अम्ल का एस्टरीकरण
4. ☐ एथीन का हाइड्रोजनीकरण {}

